प्रजापिता ब्रह्माकुमारी ईश्वरीय विश्व विद्यालय

माधवगंज लश्कर ग्वालियर म.प्र. - 474001

प्रेस विज्ञप्ति

दिनांक 14.10.2017

प्रजापिता ब्रह्माकुमारी ईश्वरीय विश्वविद्यालय के स्थानीय सेवाकेंद्र माधवगंज में आज एक अध्यात्मिक परिचर्चा का आयोजन किया गया जिसमे ग्वालियर शहर के अनेकानेक मंदिर के पुजारीगण, भागवताचार्य, ज्योतिषाचार्य एवं मंदिर से जुड़े हुए ट्रष्टीगण शामिल हुए इस परिचर्चा में आज वर्तमान समय समाज में बढती हुयी दुःख अशांति और तेजी से बढ़ रहे व्यश्नो के शिकार से लोगो का जीवन परेशानियों से भरता जा रहा है जिससे निकलने के लिए आध्यात्मिकता का अहम् योगदान है इस विषय पर गहराई से चितन हुआ जिसमे सभी लोगो ने अपने अपने विचार व्यक्त किये इसमें सर्व प्रथम सभी का तिलक एवं पुष्पगुछो द्वारा स्वागत किया गया तत्पश्चात ब्रह्माकुमारीज ग्वालियर की ओर से बी.के. प्रह्लाद भाई ने सभी का शब्दों के द्वारा स्वागत किया एवं संसथान का परिचय देते हुए सभी को संसथान की गतिविधियों के बारे में विस्तार से अवगत कराया तत्पश्चात कथा बाचक प. दुर्गेश दीक्षित ने बताया कि दुःख को दूर करने बाले तीन लोग है माता, पिता और गुरु इनकी आज्ञा हमें हमेशा मानना चाहिए तो जीवन में दुःखो से बचे रहेंगे इसके साथ ही गायत्री परिवार से डॉ दीनानाथ ने अपने विचार व्यक्त करते हुए कहा कि व्यक्ति स्वंय बद्लेगे तो राष्ट्र अवश्य बदलेगा, और संसथान को समाज निर्माण के श्रेष्ठ कार्य के लिए अपनी शुभकामनायें डी इसके साथ ही 7 वर्ष की कु. राशी ने सभी को कविता के द्वारा परमात्मा का सन्देश दिया, भरत शास्त्री जी ने कहा कि हमें मन को जानने की आवश्यकता है अगर यह जान लेंगे तो दुखो से छूट जायेंगे क्योकि यही भटकाता है इसके लिए ब्रह्माकुमारीज संसथान जो कार्य कर रहा वह बहुत ही सराहनीय है यह संस्था विश्व परिवर्तन का श्रेष्ठ कार्य कर रही है

ब्रह्माकुमारीज लश्कर ग्वालियर की संचालिका ब्रह्माकुमारी आदर्श बहन जी ने अपने विचार व्यक्त करते हुए बताया की आज समाज किस दौर से गुजर रहा है जहाँ हर घर में दुःख अशांति है कलह कलेश है जबकि एक समय था जब हर मनुष्य सुख शांति से रहता था आज हमने स्थूल तरक्की तो की है लेकिन आपसी मेल मिलाप, भाईचारा, संबंधो में समरसता एवं अपनी संस्कृति को पीछे छोड़ते जा रहे है यदि आज हमने अपनी संस्कृति एवं अपने मूल्यों पर ध्यान नहीं दिया तो आने बाला समय सभी के लिए बहुत ख़राब होगा इसलिए आज हम सभी को इस विषय पर चिंतन करने की आवश्यकता है एवं थोडा समय अपने आप के लिए अवश्य निकाले जिसमे हम स्वं की जाँच कर सके एवं अपने मन बुद्धि की तार ईश्वर से जोड़ सके और इसके साथ 5 विकारो (काम, क्रोध, लोभ, मोह, अहंकार) का दान देंगे तो यह संसार स्वर्ग बन जायेगा, ऐसा कहते हुए सभी को राजयोग मेडिटेशन की अनुभूति कराई एवं सभी को स्वच्छ- स्वस्थ भारत बनाने के लिए सभी को प्रेरणाए दी,

डॉ गुरचरण भाई ने बताया की आज समाज में व्यशन तेजी से बढ़ते जा रहे है बीडी, सिगरेट, तम्बाखू, गुटखा आदि से मनुष्य का जीवन ख़राब होता जा रहा है यदि बड़े बुजुर्ग खाते है तो बच्चो पर इसका गलत असर पढता है अतः समाज हित में सभी लोगो को चाहिए कि वह बच्चो के सामने व्यसनों का सेवन नहीं करे एवं अपने स्वास्थ को ठीक रखने के लिए इन्हें छोड़ने का संकल्प ले

कार्यक्रम के अंत में बी.के. ज्योति बहन ने सभी का आभार प्रकट किया

इस मौके पर बी.के, अरुण, बी.के. पवन, बी.के. गुप्ता, बी.के. धर्मेन्द्र, बी.के. ब्रजेन्द्र, बी.के. संजय, बी.के. अनिरुद्ध आदि उपस्थित रहे

श्रीमान संपादक महोदय

.....

ग्वालियर

ईश्वरीय सेवा में

बी.के. प्रहलाद

9425775973